सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 179 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 4 अगस्त, 2022
मूल्य ₹ 3/-

किसान नेता टिकैत का ऐलान, अग्निपथ योजना... 2

अपने हृदय में उस दिव्य चिंगारी, जिसे अंतरात्मा कहते हैं, को जिंदा रखने के लिए मेहनत करो।
-जार्ज वाशिंगटन

तो ऐसे लोक सभा चुनाव में भाजपा... 3
सपा के साथ रहेगा अपना दल... 7

पिछली सरकारों ने नहीं किया न्याय, अब विकास के पथ पर आजमगढ़ : सीएम

» लोक सभा उपचुनाव में जीत के बाद पहली बार जनपद पहुंचे सीएम ने दी 143 करोड़ की सौगात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आजमगढ़। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज आजमगढ़ के आईटीआई कॉलेज मैदान में आयोजित जनसभा में विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने आजमगढ़ के साथ न्याय नहीं किया। सात साल पूर्व यहां की क्या स्थिति थी, इस पर चर्चा करने की जरूरत नहीं है। अब नए उत्तर प्रदेश का नया आजमगढ़ विकास के सुपथ पर अग्रसर है।

उन्होंने कहा कि जो प्रतिभा आजमगढ़ में थी, वह राजनीति की संकीर्ण विचाराधारा के चलते आगे नहीं पहुंच सकी थी लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। अब पहचान उत्तर प्रदेश स्तर पर होगी। पूर्व की सरकारों पर इशारों में तंज कसते हुए कहा कि एक समय था कि जब आजमगढ़ के नौजवानों को दूसरे शहरों में होटल तक नहीं मिलते थे लेकिन आज यहां के लोगों ने यह धारणा बदल दी है। यहां के नौजवान एक नई पहचान के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सभी क्षेत्रों को आगे बढ़ाने का काम किया। आजमगढ़ में भले हमारे सांसद और विधायक न रहे हों लेकिन हमने आजमगढ़ को उपेक्षित नहीं किया। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे बना। यहां किसी को प्रधानमंत्री तो किसी को मुख्यमंत्री आवास योजना का फायदा मिला है। उन्होंने कहा कि जिले के लोगों का सपना था कि यहां विश्वविद्यालय का निर्माण हो जिसे हमने पूरा कर दिया और उसका नाम महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय रखा। पांच लाख नौजवानों को बिना भेदभाव के नौकरी दी। ओडीओपी प्रोडक्ट के लिए कामन फैसिलिटी सेंटर दिया। उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाने से ही देश व समाज में खुशहाली आएगी। यहां के जनप्रतिनिधियों ने भी कई प्रस्ताव दिए हैं, जिस पर काम होगा। उन्होंने कहा कि अब तो आप लोगों ने हमें यहां का सांसद भी दे दिया। आप लोगों ने भोजपुरी माटी में जन्मे कलाकार को सांसद बनाकर भेजा है। लोक सभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी दिनेश लाल यादव निरहुआ की जीत के बाद सीएम योगी का यह पहला आजमगढ़ दौरा है। इस मौके पर सीएम ने 143 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

राजनीति की संकीर्ण विचारधारा के कारण प्रतिभाओं को नहीं मिल रहा था मौका

हर घर तिरंगा फहराने की अपील

मुख्यमंत्री ने कहा कि आजमगढ़ की हर गली-मोहल्ले से क्रांतिकारियों ने आजादी की लड़ाई लड़ी थी। हमें उन्हें याद रखना चाहिए। देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। 15 अगस्त को हर घर में तिरंगा फहराना चाहिए। उन्होंने जनता से पूछा कि आप लोग अपने घर में तिरंगा फहराएंगे कि नहीं। इस पर जनता ने हां में जवाब दिया।

तंबाकू नियंत्रण केंद्र का उद्घाटन

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एम्स में आज नवनिर्मित 500 सीट के ऑडिटोरियम व देश के पहले तंबाकू नियंत्रण केंद्र का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस केंद्र से तंबाकू के दुष्परिणामों से होने वाली बीमारियों की रोकथाम में मदद मिलेगी। तंबाकू से अनेक प्रकार की बीमारियां होती हैं। यह उन्हीं के लिए हानिकारक नहीं है जो तंबाकू का इस्तेमाल करते हैं बल्कि उनकी संगत में रहने वाले लोगों को भी इसका नुकसान होता है जबकि तंबाकू के पैकेट पर लिखा रहता है कि यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। बावजूद इसके लोग उसका इस्तेमाल कर रहे हैं इसलिए इससे बचने में जागरूकता का पक्ष ज्यादा है। अधिक से अधिक जनमानस को जागरूक करके हम तंबाकू के खतरों से बचा सकते हैं।

'सुप्रीम' आदेश, शिवसेना पर अभी फैसला न ले चुनाव आयोग

» शिंदे गुट के दावे पर फैसला लेने से आयोग को रोका

» अब सोमवार को होगी शीर्ष अदालत में सुनवाई

» संवैधानिक बेंच को भी भेजा जा सकता है मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शिवसेना पर अधिकार को लेकर आज भी सुप्रीम कोर्ट में कोई फैसला नहीं हो सका है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि वह अगले आदेश तक शिवसेना पर अलग-अलग गुटों के दावे पर कोई फैसला न ले। एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे के दावों को लेकर अब अदालत में सोमवार को सुनवाई होगी।

शिवसेना को लेकर लड़ाई लंबी खिंचती दिख रही है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह फिलहाल एकनाथ शिंदे गुट की ओर से खुद को ही असली शिवसेना की मान्यता देने की अर्जी पर फैसला न ले। एकनाथ शिंदे गुट ने आयोग से मांग की है कि उनका गुट ही असली शिवसेना है और उन्हें ही पार्टी का सिंबल तीर-धनुष आवंटित किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि यदि उद्धव ठाकरे इस मसले पर जवाब देने के लिए समय मांगते हैं तो फिर उसे यह मौका मिलना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि अब इस मामले पर 8 अगस्त यानी सोमवार को सुनवाई की जाएगी। यही नहीं अदालत ने यह भी कहा कि 8 अगस्त को हम इस बात पर भी विचार करेंगे कि क्या इस मामले को 5 जजों की संवैधानिक बेंच के समक्ष भेजा जाना चाहिए या नहीं।

हेराल्ड हाउस पर ईडी की कार्रवाई पर भड़की कांग्रेस, संसद में हंगामा

» जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का सरकार पर लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हेराल्ड हाउस पर ईडी की कार्रवाई के खिलाफ संसद में कांग्रेस सांसदों ने जमकर हंगामा किया। इसके कारण लोक सभा और राज्य सभा की कार्यवाही बाधित हुई। इस बीच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा नेशनल हेराल्ड बिल्डिंग में यंग इंडियन का दफ्तर सील किए जाने के बाद कांग्रेस ने अपने सभी सांसदों की आपात बैठक बुलाई है।

राज्य सभा में कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उन्हें ईडी का समन मिला है। मुझे दोपहर 12.30 बजे बुलाया गया था, लेकिन जब संसद सत्र चल रहा हो तो क्या यह समन करना सही है? क्या पुलिस के लिए सोनिया गांधी और राहुल गांधी के आवासों का घेराव करना सही है? खड़गे ने कहा कि हम डरेंगे नहीं, हम लड़ेंगे। कांग्रेस ने संसद में आरोप लगाया कि सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है।

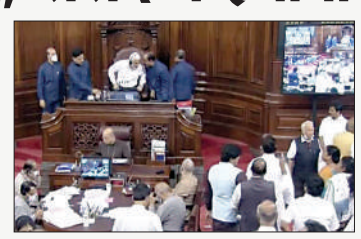

» लोक सभा और राज्य सभा की कार्यवाही बाधित, कांग्रेस ने बुलाई सांसदों की बैठक

हर घर नल योजना में गड़बड़ी मिली तो नपेंगे मुख्य और अधीक्षण अभियंता: स्वतंत्र देव

» जलशक्ति मंत्री की चेतावनी, लापरवाही बरतने पर हटाए जाएंगे इंजीनियर

» हर घर नल योजना को गति देने के दिए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जल जीवन मिशन की हर घर नल योजना सरकार की प्राथमिकता में है। शासन स्तर से इसकी लगातार निगरानी की जा रही है। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि लापरवाह और सुस्त इंजीनियर इस योजना से हटाए जाएंगे। चूंकि, निरंतर निगरानी की जिम्मेदारी मुख्य अभियंताओं और अधीक्षण अभियंताओं की है इसलिए कमी पाए जाने पर उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के गोमतीनगर स्थित सभागार में आयोजित बैठक में स्वतंत्रदेव ने अधिकारियों को नल कनेक्शन संख्या के आधार पर इंजीनियरों की रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन इंजीनियरों की रफ्तार धीमी है, उन्हें तत्काल योजना से बाहर करें। चेतावनी दी कि जिन जिलों में घर-घर नल पहुंचाने का काम गति नहीं पकड़ेगा, वहां के इंजीनियरों को उन जिलों से हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अफसर बने रहेंगे तो काम नहीं कर पाएंगे। गांव-गांव में काम को गति देने के लिए फील्ड में उतरना पड़ेगा। निगरानी करने के साथ जिला प्रशासन का सहयोग और ग्राम प्रधानों के साथ बैठकें करनी होंगी। उन्होंने इंजीनियरों से एक-एक करके प्रदेश में महिलाओं को दी जा रही पानी जांच की ट्रेनिंग और नल कनेक्शनों के बारे में सवाल पूछे। बैठक में राज्य मंत्री रामकेश निषाद, नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव, जल निगम के प्रबंध निदेशक बलकार सिंह भी मौजूद रहे।

एजेंसी पर होगा मुकदमा

प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने रेट्रोफिटिंग योजना से जुड़े गांव की चर्चा करते हुए चेतावनी दी कि जल जीवन मिशन के तहत रेट्रोफिटिंग योजना से जुड़े गांवों में योजना पूरी होने के बाद भी यदि सभी घरों में नल कनेक्शन नहीं मिले तो एजेंसियों को बड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। ऐसी एजेंसियों के खिलाफ विभाग मुकदमा भी दर्ज कराया जाएगा। जांच और कार्रवाई में लापरवाही बरतने वाले इंजीनियरों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि योजना से आच्छादित गांव में हर हाल में शत प्रतिशत कनेक्शन होना चाहिए।

सीएम से मुलाकात पर अब अपर्णा ने रामगोपाल पर साधा निशाना, बोलीं

योगी सरकार में कानून का राज, सभी के लिए न्याय बराबर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव की सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद से प्रदेश का सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। रामगोपाल के भाई शिवपाल सिंह यादव के बाद अब भाजपा नेता व मुलायम सिंह यादव की बहू अपर्णा यादव ने भी रामगोपाल पर निशाना साधा है।

योगी सरकार पर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई के रामगोपाल यादव के आरोप को भाजपा नेता अपर्णा यादव ने पूरी तरह से नकार दिया है। अपर्णा ने शिवपाल सिंह यादव के उस बयान का समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने रामगोपाल के आरोपों पर ही सवाल खड़े किए थे। भाजपा नेता अपर्णा यादव ने कहा कि चाचा शिवपाल ने कुछ बिंदु उठाते हुए जो पत्र जारी किया, उससे कई लोग सहमत हैं। उन्होंने कहा कि योगी सरकार में कानून का राज है और न्याय व्यवस्था सबके लिए समान रूप से काम कर रही है। जाति-धर्म के आधार पर किसी का उत्पीड़न नहीं किया जा रहा। प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के कारण ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बुलडोजर बाबा के नाम से जाना जाने लगा है।

उन्होंने कहा कि आदिवासी वर्ग से आने वाली द्रौपदी मुर्मु को राष्ट्रपति पद के लिए चुना जाना भाजपा की भेदभावरहित नीति का प्रत्यक्ष उदाहरण है। पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के रामगोपाल के आरोप को उन्होंने गलत बताया। रामगोपाल की मुख्यमंत्री से भेंट पर बोलीं कि मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी बात रखने के लिए हर कोई स्वतंत्र है। रामगोपाल के पत्र का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें केवल दो लोगों का नाम शामिल किया गया। सपा की ओर से जिस प्रकार से सरकार पर अल्पसंख्यकों के खिलाफ कार्रवाई का माहौल बनाया जा रहा है। उसका सच अब सामने आ गया है। बता दें कि सपा नेता रामगोपाल यादव ने सीएम योगी से मुलाकात कर एटा के अलीगंज से पूर्व विधायक रहे रामेश्वर सिंह यादव और उनके परिवार के खिलाफ लगातार हो रही कार्रवाई का मामला उठाया था। इसके बाद से ही प्रदेश का सियासी पारा चढ़ गया है।

» जाति-धर्म के आधार पर नहीं किया जाता उत्पीड़न

» सपा के वरिष्ठ नेता के पक्षपातपूर्ण कार्रवाई के आरोप को किया खारिज

किसान नेता टिकैत का ऐलान, अग्निपथ योजना के खिलाफ करेंगे आंदोलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बागपत। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने बुधवार को कहा कि किसान एक बार फिर बड़े आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं। वे केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना के खिलाफ 7 अगस्त से आंदोलन करेंगे।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बागपत जिले के टिकरी इलाके में किसानों की एक सभा को संबोधित करते हुए टिकैत ने कहा कि इस मुद्दे पर केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार के साथ लड़ाई अभी शुरू नहीं हुई है। अग्निपथ योजना के खिलाफ आंदोलन सात अगस्त को शुरू होगा और करीब एक सप्ताह तक चलेगा। टिकैत ने कहा कि हाल में किसानों द्वारा किए गए बड़े विरोध प्रदर्शन के बाद उन्हें डराने धमकाने के लिए उनके खिलाफ दर्ज पुराने मामलों को फिर से खोला जा रहा है।

भाजपा पर बरसे उद्धव, कहा शिवसेना को खत्म करने की हो रही साजिश

» भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के बयान का दिया हवाला

» ईडी और सीबीआई को लेकर भी साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बुधवार को कहा कि उनकी पार्टी को पहले भी विभाजित करने के प्रयास किये गये थे लेकिन इस बार नये सिरे से पार्टी को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले एक धड़े ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले बागी विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग को लेकर उच्चतम न्यायालय का रुख किया था। सुप्रीम कोर्ट इस पर सुनवाई कर रहा है।

उद्धव ठाकरे ने कहा, 'पहले, शिवसेना को विभाजित करने के प्रयास किए गए थे लेकिन अब पार्टी को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है। ठाकरे स्पष्ट रूप से भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की उन टिप्पणियों का जिक्र कर रहे थे, जिसमें नड्डा ने कहा था कि आने वाले समय में केवल भाजपा जैसी विचारधारा से प्रेरित राजनीतिक दल ही बचेंगे जबकि परिवारों द्वारा शासित अन्य दल तबाह हो जाएंगे। ठाकरे ने यह भी आरोप लगाया था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा शिवसेना सांसद संजय राउत के आवास पर रविवार को की गई तलाशी पार्टी को खत्म करने की एक 'साजिश' का हिस्सा थी। गौरतलब है कि संजय राउत की गिरफ्तारी के बाद उद्धव ठाकरे उनके निवास स्थान पर उनके परिवार से मिलने गए थे और कहा था कि शिवसैनिक कभी झुकता नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो भाजपा के खिलाफ बोलेगा, उन्हें परेशान किया जाएगा। उद्धव ठाकरे ने चेतावनी देते हुए कहा था कि सब का दिन एक समान नहीं होता। आज अगर किसी का समय है तो कल उसका बुरा दिन भी आता है। ऐसे समय में क्या हाल होगा, यह देखने वाली बात होगी। अब सबकुछ ईडी, सीबीआई है फिर सरकार की क्या जरूरत।

सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा के खिलाफ आरोप तय

» एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रहा है मुकदमा, 17 को गवाह पेश करने के आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वर्ष 1982 व 1984 के दो आपराधिक मामलों में रविदास मेहरोत्रा के खिलाफ एमपी-एमएलए की विशेष मजिस्ट्रेट कोर्ट ने आरोप तय कर दिया है। बीते विधान सभा चुनाव में रविदास मेहरोत्रा समाजवादी पार्टी से विधायक निर्वाचित हुए हैं। विशेष एसीजेएम अम्बरीष कुमार श्रीवास्तव ने 17 अगस्त को अभियोजन को अपना गवाह पेश करने का आदेश दिया है।

सहायक अभियोजन अधिकारी सोनू सिंह राठौ के मुताबिक वर्ष 1982 का मामला थाना हसनगंज से संबंधित है। छह सितंबर, 1982 को इस मामले की एफआईआर लवि के सीनियर लाइब्रेरियन केसी श्रीवास्तव ने दर्ज कराई थी। रविदास पर आरोप है कि वह अपने साथियों के साथ ताला तोड़कर यूनियन भवन में घुस गए और नुकसान किया। वर्ष 1984 का मामला थाना हजरतगंज से संबंधित है। 27 फरवरी, 1984 को इस मामले की एफआईआर एसआई अखलाक अहमद सिद्दकी ने दर्ज कराई थी। इस मामले में अभियुक्त रविदास मेहरोत्रा पर 15-20 अन्य लोगों के साथ बगैर इजाजत जुलुस निकालने व जबरिया दुकानों का बंद कराने और दुकानदारों से मारपीट का आरोप है।

तो ऐसे लोक सभा चुनाव में भाजपा से दो-दो हाथ कर पाएगी कांग्रेस!

- चार महीने बीत जाने के बाद भी नए अध्यक्ष की नहीं हो सकी तलाश
- कार्यकर्ताओं में निराशा, अभी तक शीर्ष नेतृत्व कर रहा मंथन
- सियासी और क्षेत्रीय समीकरण को ध्यान में रखकर नामों पर चल रही चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक ओर विधान सभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से दोबारा सत्ता में लौटी भाजपा आगामी लोक सभा चुनाव की तैयारियों में अभी से जुट गई है वही दूसरी ओर देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी उत्तर प्रदेश में निष्क्रिय दिख रही है। हालत यह है कि विधान सभा चुनाव परिणाम आने के चार महीने बाद भी कांग्रेस यूपी में अपना एक प्रदेश अध्यक्ष तक नहीं खोज पायी है। सूबे में कांग्रेस अध्यक्ष का पद बीते 15 मार्च से खाली है। इसके कारण कांग्रेस कार्यकर्ताओं में निराशा व्याप्त हो रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या ऐसे ही कांग्रेस लोक सभा चुनाव में भाजपा से दो-दो हाथ कर पाएगी?

उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव 2022 में बेहद खराब प्रदर्शन के बाद तत्कालीन अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू से कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इस्तीफा ले लिया था। इसके बाद चार महीने से अधिक गुजर गए पर कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व आज तक नए प्रदेश अध्यक्ष की तलाश नहीं कर सका है। अब तक वह यह तय नहीं कर सका है कि अध्यक्ष की कमान किसे सौंपी जाए। राज्य के दिग्गज कांग्रेसी नेता प्रदेश अध्यक्ष नहीं बनना चाहते हैं, इसकी एक वजह बड़ी हो सकती है। इसके चलते कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व यूपी को नया प्रदेश अध्यक्ष तय करने में विलंब कर रहा है। वहीं कहा जा रहा है कि पार्टी जल्द ही यूपी के प्रदेश अध्यक्ष का नाम फाइनल कर देगी और यह अध्यक्ष ब्राह्मण, पिछड़ा या दलित समाज से हो सकता है। अब सवाल है कि पार्टी कब अजय सिंह लल्लू की जगह नया अध्यक्ष नियुक्त करेगी? उससे भी बड़ा सवाल है कि कांग्रेस पार्टी किस ब्राह्मण या मुस्लिम नेता को अध्यक्ष बनाएगी? अथवा पिछड़ा या दलित समाज के किस नेता को यूपी का प्रदेश अध्यक्ष बनाएगी? यह सवाल इसलिए उठा है क्योंकि बीते माह कांग्रेस पार्टी ने राज्य के दो ब्राह्मण नेताओं राजीव शुक्ला और प्रमोद तिवारी को दो अलग-अलग राज्यों से राज्यसभा उम्मीदवार बनाया है। इनके अलावा मुस्लिम चेहरे के तौर पर उत्तर प्रदेश के ही इमरान प्रतापगढ़ी को महाराष्ट्र से राज्यसभा उम्मीदवार बनाया था। वहीं अध्यक्ष का चयन नहीं होने को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में निराशा व्याप्त है। यही नहीं कई कांग्रेस नेता इस देरी को लेकर अंदरखाने आक्रोशित भी हैं।

दलित-मुस्लिम वोटों पर नजर

सपा के मुकाबले में खड़े होने के लिए कांग्रेस को मुस्लिम वोट की जरूरत है। यूपी की वर्तमान राजनीति में बसपा के कमजोर होने से दलित वोट पर भाजपा के साथ ही कांग्रेस की भी नजर है। ऐसे में प्रियंका गांधी की सलाह पर सोनिया गांधी पीएल पुनिया जैसा कोई दलित चेहरे को भी आगे कर सकती है। ओबीसी राजनीति से कांग्रेस का मोहभंग हुआ है इसके बाद भी उसे किसी ओबीसी नेता को आगे बढ़ा सकती है इसलिए पार्टी में कभी सवर्ण तो कभी पिछड़ा और कभी दलित जाति से आने वाले नेताओं के नाम उछलते रहते हैं।

सिर्फ प्रियंका गांधी की चलेगी

यूपी कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष तय करने के बाबत पार्टी में जातिगत फैक्टर के अलावा एक और बात जो महत्वपूर्ण दिख रही है, वह है नए प्रदेश अध्यक्ष का टीम प्रियंका के साथ फिट होना। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा प्रदेश में कांग्रेस मामलों की प्रभारी हैं। उनकी मौजूदगी में किसी बड़े नेता को अपना फैसला लेने का कितना मौका मिलेगा, यह भी एक बड़ा सवाल है। प्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि पिछले प्रदेश अध्यक्ष यानी अजय लल्लू का कार्यकाल देखा जा चुका है। प्रियंका की मौजूदगी में उनकी स्थिति केवल उन फैसलों पर अमल करने की होती थी, जो ऊपर से तय होकर आते थे। ऐसे में अब पार्टी में यूपी कांग्रेस के इसी तरह के अध्यक्ष की तलाश हो रही है, जो इस परंपरा को आगे बढ़ाए।

सपा गठबंधन से तलाक के बाद अब प्रसपा-सुभासपा बनाएंगे अलग खेमा!

- प्रसपा प्रमुख शिवपाल ने दिए संकेत, निकाय चुनाव में भी ठोकेंगे ताल
- विधान सभा चुनाव में शिकस्त के बाद सपा गठबंधन से स्वतंत्र हो गए हैं शिवपाल
- अपमानित नेताओं को पाले में करने की कवायद तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में करारी शिकस्त के बाद प्रदेश में सियासी उठापटक तेज हो गयी है। सपा गठबंधन से अलग होने के बाद प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव और सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव पर हमले तेज कर दिए हैं। इसी बीच शिवपाल यादव ने सुभासपा के साथ गठबंधन बनाने का भी संकेत दिया है। इससे सियासी गलियारों में यह चर्चा तेज हो गयी है कि लोक सभा चुनाव के पहले दोनों दलों के बीच गठबंधन हो सकता है।

विधान सभा चुनाव परिणाम के साथ ही सपा गठबंधन में दरार पड़ने लगी थी। सुभासपा ने जहां सपा से गठबंधन कर विधान सभा चुनाव लड़ा था वहीं प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव ने सपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था लेकिन परिणाम आने के बाद से ही सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश को निशाना बनाना शुरू किया वहीं शिवपाल यादव भी अखिलेश की चुनावी रणनीति से खुश नहीं दिखे। राजभर ने गठबंधन लाइन से किनारा करते हुए एनडीए की राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का समर्थन किया था वहीं शिवपाल ने खुलेआम विपक्ष के राष्ट्रपति उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को वोट न देने का ऐलान कर दिया था। आखिरकार सपा की ओर से राजभर और शिवपाल को स्वतंत्र होकर कहीं भी जाने का संदेश दे दिया। इसके बाद से ही राजभर और शिवपाल दोनों ही नए ठिकाने तलाश रहे हैं। शिवपाल यादव ने पिछले दिनों इसके संकेत भी दिए थे। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने पहले ही स्वतंत्र कर दिया था। बाद में औपचारिक पत्र भी जारी कर दिया। यह उनकी अपरिपक्वता है। उन्होंने कहा कि पार्टी के अपमानित लोगों को साथ जोड़ा जाएगा। राजभर को भी साथ लिया जा सकता है। राष्ट्रपति पर की गई टिप्पणी पर उन्होंने कहा कि आदिवासी महिला को मौका मिला है। उन्हें वोट दिया है। इसके अलावा प्रसपा प्रमुख एक बार फिर संगठन को मजबूती देने के साथ निकाय चुनाव लड़ने की तैयारी में जुट गए हैं। प्रसपा-सुभासपा की नजदीकियों से भी सियासी गलियारों में कयास लगाए जा रहे है कि लोक सभा चुनाव से पहले प्रसपा और सुभासपा के बीच तालमेल हो सकता है।

संगठन को मजबूत करने पर फोकस

प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव का मुख्य फोकस संगठन को मजबूती देने में है। वे लगातार बैठकें कर रहे हैं और जरूरी दिशा-निर्देश कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को दे रहे हैं। कार्यकर्ताओं से निकाय चुनाव के लिए तैयारी करने को भी कहा गया है।

भाजपा का भी सहारा ले सकते प्रसपा प्रमुख

सपा से अलग होने के बाद प्रसपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल यादव ने बड़ा संकेत दिया है। माना जा रहा है कि शिवपाल यादव भाजपा के साथ गठबंधन कर सकते हैं। हालांकि अभी इसको लेकर किसी तरह की कोई पुष्टि नहीं हुई है। इसको लेकर शिवपाल यादव ने पिछले दिनों कहा था कि भाजपा से तालमेल किया जा सकता है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की दरकार

कोरोना और मंकीपॉक्स के बढ़ते खतरे के बीच प्रदेश की लचर स्वास्थ्य सेवाओं ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। अभी भी लोग कोरोना की दूसरी लहर में मौतों का मंजर भूले नहीं है। बावजूद इसके स्वास्थ्य सेवाओं में अभी भी सुधार नहीं हो सका है। प्रदेश के अधिकांश सरकारी अस्पतालों में न केवल विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी है बल्कि दवाओं और जांच उपकरणों का भी टोटा है। सवाल यह है कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए सरकार कोई ठोस पहल क्यों नहीं कर रही है? क्या मेडिकल कॉलेजों की स्थापना भर से समस्या का हल हो जाएगा? सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी को क्यों दूर नहीं किया जा रहा है? रिक्त पदों क्यों नहीं भरा जा रहा है? अधिकांश अस्पतालों में बर्न यूनिट क्यों नहीं है? पैरामेडिकल स्टॉफ और आधुनिक उपकरणों की कमी को समाप्त क्यों नहीं किया जा रहा है? ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार क्यों नहीं हो रहा है? क्या आम आदमी को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी नहीं है?

“ कोरोना और मंकीपॉक्स के बढ़ते खतरे के बीच प्रदेश की लचर स्वास्थ्य सेवाओं ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। अभी भी लोग कोरोना की दूसरी लहर में मौतों का मंजर भूले नहीं है। बावजूद इसके स्वास्थ्य सेवाओं में अभी भी सुधार नहीं हो सका है। प्रदेश के अधिकांश सरकारी अस्पतालों में न केवल विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी है बल्कि दवाओं और जांच उपकरणों का भी टोटा है।

उत्तर प्रदेश के अधिकांश सरकारी अस्पतालों की हालत खराब है। इन अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी के कारण लोगों को समय से इलाज नहीं मिल पा रहा है। मरीजों को जांच कराने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। यही नहीं उन्हें रोगों के इलाज में काम आने वाली दवाएं पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पा रही हैं। जन औषधि केंद्र शो पीस बन चुके हैं। इसके कारण सबसे अधिक परेशानी गरीबों को उठानी पड़ती है। वे प्राइवेट अस्पतालों में महंगे इलाज नहीं करा सकते लिहाजा रोजाना सरकारी अस्पतालों के चक्कर काटते रहते हैं। जांच रिपोर्ट समय से उपलब्ध नहीं होने के कारण गंभीर रोगियों को वक्त रहते इलाज तक नहीं मिल पा रहा है। सबसे खराब हालत ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की है। अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में मरीजों के इलाज के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र टीकाकरण सेंटर में तब्दील हो चुके हैं। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सक नदारद रहते हैं। इसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों के मरीज जिला अस्पतालों का रुख करते हैं। इससे यहां के चिकित्सकों पर बोझ बढ़ जाता है और वे मरीजों की जांच में पर्याप्त समय नहीं दे पाते हैं। यह स्थिति तब है जब सरकार ने जनता को गुणवत्तायुक्त चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने का वादा कर रखा है। जाहिर है यदि सरकार लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना चाहती है तो उसे न केवल अस्पतालों में मानव संसाधन समेत अन्य सुविधाओं को बढ़ाना होगा बल्कि ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को भी दुरुस्त करना होगा अन्यथा हालात बदतर हो जाएंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

हमेशा मजबूत नहीं रहेगा डॉलर

अश्विनी महाजन

पिछले कुछ समय से भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर होते हुए फिलहाल 80 रुपये प्रति डॉलर के आसपास है। रुपये की इस कमजोरी से नीति निर्माताओं में स्वाभाविक चिंता व्याप्त है और विपक्ष भी सरकार को घेरने की कोशिश में है। यह पहली बार नहीं है कि भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर हुआ है। 1991 से अभी तक रुपया डॉलर के मुकाबले औसतन 3.03 प्रतिशत सालाना की दर से कमजोर होता रहा है। यह अवमूल्यन सभी वर्षों में एक जैसा नहीं रहा। पिछले पांच महीनों में रुपये का अवमूल्यन 7.28 प्रतिशत तक हो चुका है। पहले रुपया डॉलर के अलावा यूरो, पाउंड, येन, युआन समेत कई अहम करेंसियों के मुकाबले भी कमजोर होता रहा है। 1991 से अभी तक रुपया पाउंड के मुकाबले 137 प्रतिशत, यूरो के मुकाबले 489 प्रतिशत और येन के मुकाबले 241 प्रतिशत कमजोर हुआ है, जबकि डॉलर के मुकाबले यह अवमूल्यन 252 प्रतिशत रहा है।

पिछले पांच महीने में रुपये के अवमूल्यन की प्रवृत्ति में बदलाव आया है। जहां रुपया डॉलर के मुकाबले 7.28 प्रतिशत कमजोर हुआ है, वहीं पाउंड स्टर्लिंग के मुकाबले यह 6.31 प्रतिशत, येन के मुकाबले 10.77 प्रतिशत और यूरो के मुकाबले 4.72 प्रतिशत मजबूत हुआ है। चूंकि पूरी दुनिया में डॉलर लगभग सभी करेंसियों के मुकाबले मजबूत हुआ है, इसलिए हमें रुपये की कमजोरी की बजाय डॉलर की विभिन्न मुद्राओं के मुकाबले मजबूती के कारणों का विश्लेषण करना होगा। हमें यह भी समझना होगा कि रुपये और अन्य करेंसियों का भविष्य क्या है? यह प्रश्न भी उठता है कि क्या भविष्य में भी डॉलर की विजय यात्रा जारी रहेगी। जहां हम श्रीलंका, पाकिस्तान, यूरोपीय देशों आदि की ऋणग्रस्तता की बात करते हैं तो हमें समझना होगा कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे बड़ी कर्जदार है। आज अमेरिका पर 30.4 खरब डॉलर, चीन पर 13 खरब डॉलर और इंग्लैंड पर 9.02 खरब डॉलर का विदेशी ऋण है। भारत पर विदेशी ऋण कुल 614.9 अरब डॉलर ही है, जो हमारे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का मात्र 20 प्रतिशत ही है जबकि अमेरिका का विदेशी ऋण उसकी जीडीपी का 102 और इंग्लैंड का 345 प्रतिशत है। वहीं भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले कुछ महीनों से रुपये की स्थिरता को बनाये रखने के लिए कम हुआ है, लेकिन अभी भी यह 572.7 अरब डॉलर है। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते आज सभी मुल्क महंगाई

के चंगुल में फंस चुके हैं। अमेरिका में मंहगाई दर 9.1 प्रतिशत जबकि इंग्लैंड में 9.4 और भारत में यह 7.0 प्रतिशत है। मंहगाई में वृद्धि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आपूर्ति में बाधाओं के कारण है, जिससे ईंधन, खाद्य पदार्थों, आवश्यक कच्चे माल, मध्यवर्ती वस्तुओं तथा धातुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार की उथल-पुथल ने पूरी दुनिया के वित्तीय बाजारों को भी प्रभावित किया है। जहां दुनियाभर के केंद्रीय बैंक अपने-अपने देशों में महंगाई को थामने के लिए ब्याज दरें बढ़ा रहे हैं, अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व भी ब्याज दरें बढ़ा रहा है। अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने से भी निवेशक उसकी ओर आकर्षित हो रहे हैं लेकिन अमेरिका के बाहर व्यवसाय करने वाली अमेरिकी कंपनियां मजबूत डॉलर के कारण नुकसान में रहेंगी तथा बड़ी 500 कंपनियों को आमदनी में पांच प्रतिशत का नुकसान हो सकता है, पर अमेरिका में कार्यरत कंपनियों को मजबूत डॉलर का लाभ होगा लेकिन कुछ देश हैं, जो तेल उत्पादक और निर्यातक देश हैं या कृषि पदार्थों के आपूर्तिकर्ता हैं, उनकी करेंसियां कमजोर नहीं हो रही हैं।

रूस की करेंसी रूबल लगातार मजबूत ही हो रही है। कारण है कि रूसी तेल व गैस का निर्यात बढ़ता जा रहा है और पूंजीगत प्रवाहों पर रूस सरकार द्वारा नियंत्रण के चलते पूंजी का बर्हिगमन नहीं हो रहा है। यह सही है कि वैश्विक उथल-पुथल और अमेरिका में बढ़ती ब्याज दरों के चलते डॉलर मजबूत हो रहा है, लेकिन यह लंबे समय तक नहीं चल सकता। जब दुनिया की दूसरी मुद्राओं में उठाव आयेगा, भारत से कूच कर गये निवेशक पुन: बाजारों की खोज में भारत और दूसरे मुल्कों में जायेंगे, तो डॉलर का नीचे जाना अवश्यंभावी हो जायेगा। जहां यूरोप, अमेरिका और जापान में मंदी की आहट सुनाई दे रही है, वहीं भारत में आर्थिक गतिविधियां जोर पकड़ रही हैं। जीएसटी और अन्य करों से प्राप्तियां उछाल ले रही हैं। औद्योगिक उत्पादन में भी वृद्धि हो रही है। देश में सभी प्रकार की मांग में 20 से 55 प्रतिशत की भारी वृद्धि भारत में आर्थिक गतिविधियों में उठाव को इंगित कर रहे हैं। इससे भी दुनियाभर के निवेशक धीरे-धीरे भारत की ओर रुख करने के लिए बाध्य हो जायेंगे। ऐसे में माना जा सकता है कि डॉलर की मजबूती लंबे समय तक नहीं चलने वाली है।

दूसरी नहीं धरती, इसे ही बचाइये

आरसी कुहाड़

प्रकृति को संरक्षित और पोषित करने में हम सबका योगदान होना चाहिए। इस संबंध में पर्यावरणविद् और चिपको आंदोलन के नेता रहे सुंदरलाल बहुगुणा का वक्तव्य प्रासंगिक है कि पारिस्थितिकी स्थायी अर्थव्यवस्था है। दरअसल, पर्यावरण को बचाने की नौबत मानव द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के बेतरतीब दोहन के चलते आयी। शुरुआत में मनुष्य ने पृथ्वी को समतल कर खेती लायक जमीन बनाई और जीविकोपार्जन के लिए जंगल, जल व जमीन का भरपूर उपयोग किया। कालांतर में मनुष्य की जरूरतें व आबादी बढ़ती गई, उसने प्रकृति का अंधाधुंध दोहन शुरू कर दिया जिसके चलते पारिस्थितिकी तंत्र में नकारात्मक परिवर्तन हो गया जो आज घातक सिद्ध हो रहा है।

दरअसल, जब तक उपभोक्तावाद पर नियंत्रण नहीं किया जाएगा, प्रकृति के दोहन में कोई कमी नहीं आएगी। अब समय आ गया है, अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करने का कि कैसे प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर मनुष्य कुदरती संसाधनों का उपयोग कर सकता है। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब हम सब प्रकृति के प्रकोप से अपने आप को बचा पाने में असमर्थ पाएंगे। कहीं अतिवृष्टि होगी तो कहीं अनावृष्टि, कहीं लोग पानी के लिए तरसेंगे और कहीं पानी में सारी संपदा बहा देंगे। पिछले कई दशकों में ऐसा देखने में भी आया है। ग्लेशियर सूख रहे हैं, नदियां सिमट रही हैं, रेगिस्तान बढ़ रहे हैं, उपजाऊ जमीन बंजर समान होती जा रही है। जमीन के नीचे पीने लायक पानी बहुत कम रह गया है। पर्यावरण को संरक्षित रखने के बारे में अब प्रश्न कई उठते हैं कि कैसे हम बंजर जमीन को पुन: उपजाऊ जमीन में परिवर्तित कर पाएं? कैसे काटे गए जंगलों को पुन: उनकी शक्ल दें? कैसे ग्लेशियर पिघलने से बचाएं? कैसे जंगली जानवरों को उनका आवास प्रदान कर पाएं? असल में दुनिया के कुछ महान लोगों की मिसालें मौजूद हैं जिन्होंने अपना जीवन पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने में ही लगा दिया। इस संदर्भ में पहला नाम है 'भारत के फॉरेस्ट मैन' कहे जाने वाले पद्मश्री जादव मोलाई पायेंग का जिन्होंने कई दशकों के दौरान, ब्रह्मपुत्र नदी के एक सैंडबार पर पेड़ लगाए और उसे वन अभ्यारण्य में बदल दिया। मोलाई वन कहा जाने वाला यह जंगल, जोरहाट, असम में 1360 एकड़ क्षेत्र में फैला है। अगला नाम है इंदिरा प्रियदर्शिनी वृक्षमित्र पुरस्कार से सम्मानित देवकी अम्मा का जो भारत के विभिन्न हिस्सों से पौधों को लाकर और उनका पोषण करके जैव विविधता की रक्षा कर रही हैं। पर्यावरण के प्रति उन्होंने जनचेतना जगाई है। देवकी अम्मा द्वारा लगवाये जंगल में विभिन्न प्रजातियों के 3000 से अधिक पेड़ हैं। कुछ दुर्लभ पौधे जैसे लक्ष्मी थारू, चीनी संतरा आदि भी हैं। फलों, सब्जियों और फूलों की आपूर्ति करने वाले 200 प्रकार के पेड़ों और झाड़ियों को उन्होंने सहेजा है। इसी कड़ी में वर्ष 1935 में जन्मे आइस मैन कहे जाने वाले चेवांग नॉरफेल, लद्दाख के एक भारतीय सिविल इंजीनियर हैं, जिन्होंने 15 कृत्रिम ग्लेशियर बनाए हैं।

ऐसी अन्य शख्सियत कर्नाटक की पर्यावरणविद् पद्मश्री सालु मरादा थिम्मक्का हैं, जो हुलिकल और कुदुर के बीच राजमार्ग के साथ-साथ चार किलोमीटर तक 385 बरगद पेड़ लगाने के लिए विख्यात हैं। सुंदरलाल बहुगुणा पर्यावरणविद् और चिपको आंदोलन के नायक थे। उन्होंने हिमालय में जंगलों के संरक्षण के लिए लड़ाई लड़ी। पहले 1970 के दशक में चिपको आंदोलन के सदस्य के रूप में और बाद में 1980 के दशक से 2004 के प्रारंभ तक टिहरी बांध विरोधी आंदोलन का नेतृत्व किया। वहीं उत्तराखंड में प्रभा देवी ने 500 से अधिक पेड़ लगाए हैं जो पलासत गांव के संरक्षक के रूप में खड़े हैं। पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रही कुछ अन्य महिलाएं भी हैं जिनसे प्रेरणा लेकर विद्यार्थी, शिक्षक मिलकर ऐसे ही प्रयास करें तो पर्यावरण का भला होगा। इनमें एक हैं लतिका नाथ जो बाघ राजकुमारी के रूप में जानी जाती हैं। लतिका बाघों पर डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने वाली देश की पहली वन्यजीव विज्ञानी हैं। ऐसा ही नाम है प्रेरणा सिंह बिंद्रा जो एक संरक्षणवादी, पत्रकार, लेखक और कार्यकर्ता हैं। प्रेरणा वन अधिकारियों, रेंजरों और एनजीओ के साथ वन्यजीवों के लिए संरक्षित क्षेत्रों जैसे उत्तराखंड के नंधौर वन्यजीव अभयारण्य और नैना देवी हिमालयन पक्षी संरक्षण रिजर्व में काम करती हैं।

पूर्णिमा देवी बर्मन असम के प्रसिद्ध पर्यावरणविद् ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क, या हरगिला को विलुप्त होने से बचाने की दिशा में काम कर रही हैं। एक और प्रेरक व्यक्तित्व हैं कृति कारंत। वे वन्यजीव संवादी हैं, जो प्रजातियों के वितरण और विलुप्त होने के पैटर्न, वन्यजीव पर्यटन के प्रभावों, स्वैच्छिक पुनर्वास के परिणाम, भूमि-उपयोग परिवर्तन और मानव-वन्यजीव अंत:क्रियाओं पर शोध कर रही हैं। वे वाइल्डसेव नामक परियोजना पर काम कर रही हैं, जिसने हजारों परिवारों को वन्यजीव-मुआवजे के दावे दर्ज करने और उनके सही लाभ प्राप्त करने में मदद की है। असल में वर्ष के प्रत्येक दिन को पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए और हम में से प्रत्येक को पर्यावरण की रक्षा में योगदान देना चाहिए। मिट्टी, पानी, पौधों, वायु और जीवों की रक्षा व ग्रह पर जीवन बचाने के लिए हमें योजना बनाने और सतत ठोस काम करने की जरूरत है। कहने का सीधा-सा अर्थ है कि दूसरी धरती नहीं है। हमें हर हाल में इसी धरती पर ही रहना होगा और उसे ही संवारना और सजाना होगा। दुनिया के सभी देशों को मिलकर यह करना होगा।

दांतों के दर्द में रामबाण इलाज हैं ये घरेलू उपचार

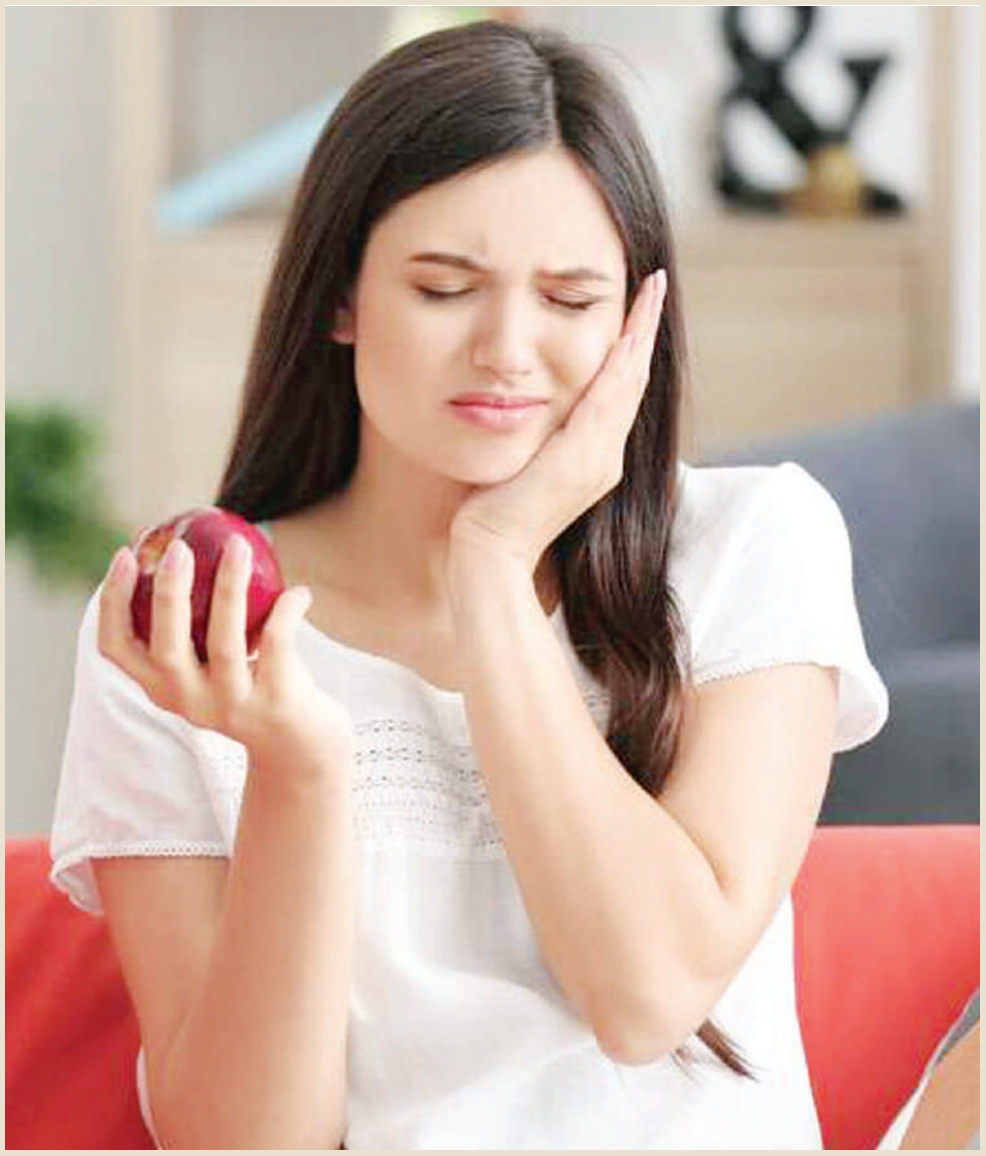

दांतों में दर्द होना एक आम समस्या हो सकती है, जो ठंडा-गर्म खाना खाने से, शरीर में कैल्शियम की कमी होने से, दातों में कैविटी या बैक्टीरियल इंफेक्शन होने की वजह से परेशान कर सकती है। कई बार आधी रात में दांतों का तेज दर्द बर्दाश्त करना मुश्किल हो जाता है, जिसकी वजह से आपके साथ-साथ पूरे घर की नींद उड़ जाती है। बात दिन की हो तो तुरंत जाकर डॉक्टर की सलाह से दवाई ले सकते हैं लेकिन रात में भयानक दर्द के साथ डॉक्टर के पास जाना कई बार संभव नहीं हो पाता है इसीलिए आपको बताते हैं दांतो के दर्द के उपचार के लिए कुछ घरेलू उपाय जिन्हे दांतों में तेज दर्द होने पर इस्तेमाल करने से राहत मिल सकती है।

लहसुन

लहसुन आसानी से घरों में उपलब्ध होता है। लहसुन में मौजूद एलिसिन मुंह के अंदर बैक्टीरिया को खत्म करने में कारगर होता है। बैक्टीरिया के कारण मुंह में कैविटी का खतरा बढ़ जाता है और दातों में तेज दर्द हो सकता है। दर्द होने पर लहसुन की एक कली लेकर दांत में दबा लें उससे राहत मिल सकती है।

कोल्ड कंप्रेस

कोल्ड कंप्रेस यानी बर्फ की सिकाई करने से ब्लड वेसल्स कंप्रैस हो जाती हैं और दर्द में राहत मिलती है। एक मोटे तौलिए में बर्फ रखकर दर्द वाली जगह पर सिकाई करने से आराम मिलता है।

लौंग

लौंग में यूजेनॉल मौजूद होता है जो दांतों की सूजन कम करने और दर्द को दूर करने के लिए काफी फायदेमंद होता है। दर्द होने पर लौंग को पीसकर लगा सकते हैं या लौंग को मुंह में डालकर चूस सकते हैं।

पिपरमिंट टी

पिपरमिंट एंटीबैक्टीरियल और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। इसमें मौजूद मेन्थॉल सेंसिटिव हिस्से को कुछ समय के लिए सुन्न कर देता है जिससे दर्द में आराम मिलता है। दर्द होने पर पिपरमिंट टी पी सकते हैं।

हंसना मना है

टीचर : मिंकी यमुना नदी कहां बहती है? मिंकी : सर, जमीन पर! टीचर : नक्शे में बताओ कहां बहती है? मिंकी नक्शे में कैसे बह सकती है सर, नक्शा गल नहीं जाएगा।

लड़का प्रपोज करते हुए : जान, तुम्हारा नाम हाथ पर लिखूं या दिल पर? लड़की : इधर-उधर कहां लिखते हो सच्चा प्यार है तो पॉपर्टी के पेपर्स पर लिखो सीधी बात, नो बकवास।

पति : क्या तुम जानती हो कि संगीत में इतनी शक्ति होती है कि पानी गरम हो सकता है पत्नी : हां जरूर, क्यों नहीं...जब तुम्हारा गाना सुन कर मेरा खून खौल सकता है तो पानी क्यों नहीं।

गर्लफ्रेंड : अरे बाबा, जल्दी खिड़की से कूदो पापा आ रहे हैं. बॉयफ्रेंड : लेकिन यह तो 13वीं मंजिल है! गर्लफ्रेंड : अरे, यह शगुन-अपशगुन सोचने का वक्त नहीं है।

टीटू : तुम ऑपरेशन कराए बिना ही हॉस्पिटल से क्यों भाग गए ? शीटू : नर्स बार-बार कह रही थी कि डरो मत, हिम्मत रखो, कुछ नहीं होगा.. ये तो बस एक छोटा सा ऑपरेशन है। टीटू : तो इसमें डरने वाली कौन सी बात है ? सही तो कह रही थी नर्स ! शीटू : वो मुझसे नहीं डॉक्टर से कह रही थी।

टीचर : एक तरफ पैसा, दूसरी तरफ अक्ल, क्या चुनोगे? छात्र : पैसा। टीचर : गलत, मैं अक्ल चुनती। छात्र : आप सही कह रही हो मैडम, जिसके पास जिस चीज की कमी होती है वो वही चुनता है। दे थप्पड़... दे थप्पड़...।

कहानी | कौवे और उल्लू का बैर

एक बार हंस, तोता, बगुला, कोयल, कबूतर, उल्लू आदि सब पक्षियों ने सभा करके यह सलाह की कि उनका राजा वैनतेय केवल वासुदेव की भक्ति में लगा रहता है। व्याधों से उनकी रक्षा का कोई उपाय नहीं करता; इसलिये पक्षियों का कोई अन्य राजा चुन लिया जाये। कई दिनों की बैठक के बाद सब ने एक सम्मति से सर्वांग सुंदर उल्लू को राजा चुना। अभिषेक की तैयारियां होने लगीं, विविध तीर्थों से पवित्र जल मंगाया गया, सिंहासन पर रत्न जड़े गए, स्वर्णघट भरे गए, मंगल पाठ शुरू हो गया, ब्राह्मणों ने वेद पाठ शुरू कर दिया, नर्तकियों ने नृत्य की तैयारी कर लीं। उलूकराज राज्यसिंहासन पर बैठने ही वाले थे कि कहीं से एक कौवा आ गया। कौवे ने सोचा यह समारोह कैसा? यह उत्सव किसलिए? पक्षियों ने भी कौवे को देखा तो आश्चर्य में पड़ गए। उसे तो किसी ने बुलाया ही नहीं था। फिर भी, उन्होंने सुन रखा था कि कौआ सब से चतुर कूटराजनीतिज्ञ पक्षी है इसलिये उस से मन्त्रणा करने के लिये सब पक्षी उसके चारों ओर इकट्ठे हो गए। उलूकराज के राज्याभिषेक की बात सुन कर कौवे ने हंसते हुए कहा-यह चुनाव ठीक नहीं हुआ। मोर, हंस, कोयल, सारस, चक्रवाक, शुक आदि सुन्दर पक्षियों के रहते दिवान्ध उल्लू और टेढ़ी नाक वाले अप्रियदर्शी पक्षी को राजा बनाना उचित नहीं है। वह स्वभाव से ही रौद्र है और कटुभाषी है। फिर अभी तो वैनतेय राजा बैठा है । एक राजा के रहते दूसरे को राज्यासन देना विनाशक है। पृथ्वी पर एक ही सूर्य होता है वही अपनी आभा से सारे संसार को प्रकाशित कर देता है। एक से अधिक सूर्य होने पर प्रलय हो जाती है। प्रलय में बहुत से सूर्य निकल जाते हैं। उनसे संसार में विपत्ति ही आती है, कल्याण नहीं होता। राजा एक ही होता है। उसके नाम-कीर्तन से ही काम बन जाते हैं। यदि तुम उल्लू जैसे नीच, आलसी, कायर, व्यसनी और पीठ पीछे कटुभाषी पक्षी को राजा बनाओगे तो नष्ट हो जाओगे। कौवे की बात सुनकर सब पक्षी उल्लू को राज-मुकुट पहनाये बिना चले गये। केवल अभिषेक की प्रतीक्षा करता हुआ उल्लू उसकी मित्र कृकालिका और कौवा रह गये। उल्लू ने पूछा-मेरा अभिषेक क्यों नहीं हुआ? कृकालिका ने कहा-मित्र! एक कौवे ने आकर रंग में भंग कर दिया। शेष सब पक्षी उड़कर चले गये हैं, केवल वह कौवा ही यहां बैठा है। तब उल्लू ने कौवे से कहा-दुष्ट कौवे! मैंने तेरा क्या बिगाड़ा था जो तूने मेरे कार्य में विघ्न डाल दिया। आज से मेरा तेरा वंशपरंपरागत वैर रहेगा। यह कहकर उल्लू वहां से चला गया। कौवा बहुत चिन्तित हुआ वहीं बैठा रहा। उसने सोचा-मैंने अकारण ही उल्लू से वैर मोल ले लिया। दूसरे के मामलों में हस्तक्षेप करना और कटु सत्य कहना भी दु:खप्रद होता है। यही सोचता-सोचता वह कौवा वहां से चला गया। तभी से कौओं और उल्लुओं में स्वाभाविक वैर चला आता है।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज किसी खास काम में भाई-बहन का सहयोग मिलेगा। आप अपने परिवार वालों के साथ कुछ बेहतरीन पलों का आनंद उठायेंगे। आपका दाम्पत्य जीवन मधुरता से भरपूर रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक संदर्भ में आशावादी दृष्टिकोण के साथ कार्यस्थल पर आप बहुत ऊर्जावान रहेंगें। आप अपने व्यवहार में अत्यधिक सफल होंगे और ग्राहकों के साथ स्थायी संबंध बनाएंगे।

मिथुन आज कोई भी काम न टालें। आज आपको अपने नौकरी या बिजनेस के टारगेट पर ही पूरा ध्यान देना चाहिए। एकाग्रता से काम निपटाने की कोशिश करें।

कर्क परिवार के कुछ लोगों से अपने कामकाज और प्लानिंग शेयर कर सकते हैं। आप करना कुछ चाहते हैं लेकिन लोगों के दबाव के चलते आप कोई फैसला नहीं ले पा रहें।

सिंह सफलता पाने के लिए आपको अपनी मेहनत जारी रखनी होगी। बिजनेस में बनता हुआ काम आज रूकने की संभावना है। घर का माहौल आज कुछ अलग-सा रहेगा।

कन्या आपकी लोकप्रियता अपने चरम पर होगी और आप बहुत दूसरों पर अधिक प्रभाव डालेंगे। यदि आप अधिकारियों के साथ टकराव से बचें रहें तो आप व्यावसायिक क्षेत्र में अच्छी प्रगति कर सकते हैं।

तुला ऑफिस में आज आप कई मामलों में सफल हो सकते हैं। करियर से जुड़े कुछ उलझे हुए मामलों में समाधान मिल सकता है। आप परेशान न हों। ऑफिस में आपके काम की तारीफ हो सकती है।

वृश्चिक आज किसी दूसरे व्यक्ति को कोई बात समझाने में आप सफल होंगे लेकिन स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव जैसी स्थिति रहेगी। आपके मन में कोई अच्छा विचार आ सकता है।

धनु आज किसी व्यक्ति की अच्छाई पर आपको शंका हो सकती है। ऑफिस में किसी व्यक्ति से आपकी अनबन होने की संभावना है। किसी से फालतू बहस करने से आपको बचना चाहिए।

मकर आज भाग्य की अपेक्षा कर्म पर भरोसा करके काम करना लाभदायक साबित होगा। न्याय से जुड़े लोंगो को कुछ राहत मिलेगी। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। व्यापार में नए निवेश से परहेज करें।

कुम्भ पैसों के मामलों में आप शांति से कोई फैसला लें। आपके कामकाज की तारीफ हो सकती है। धैर्य रखें। किसी महिला के सहयोग से कामकाज पूरे हो सकते हैं। दोस्तों से मेल-जोल बढ़ सकता है।

मीन व्यावसायिक सन्दर्भ में आप बड़ी सफलता प्राप्त करेंगे और एक उच्च सामाजिक स्थिति हासिल करेंगे। आप एक नया उद्यम शुरू कर सकते हैं और एक बड़ी डील को अंतिम रूप दे सकते हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

जवान लड़कियों के चक्कर में रहते हैं मेल एक्टर्स : नीना गुप्ता

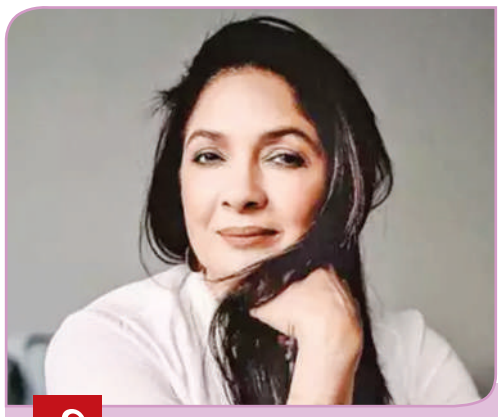

नीना गुप्ता को इस समय काफी फिल्में मिल रही हैं जिनमें उनके किरदारों को काफी पसंद भी किया जा रहा है। अपनी बेबाकी के लिए मशहूर नीना गुप्ता को भले ही अभी खूब काम मिल रहा है लेकिन फिर भी उनका मानना है कि पुरुष कलाकार उनके साथ काम नहीं करना चाहते हैं। बॉलीवुड में जेंडर और उम्र के आधार पर होने वाले भेदभाव पर नीना का कहना है कि मेल एक्टर्स उनकी बजाय कम उम्र की एक्ट्रेसेस के साथ काम करना चाहते हैं। नीना ने साल 1982 में बॉलीवुड में डेब्यू किया था। काफी फिल्मों और टीवी सीरियलों में काम करने के बाद नीना एकदम गायब हो गई थीं। इसके बाद उन्होंने साल 2018 में सुपरहिट फिल्म बधाई दो से दमदार वापसी की थी। अपनी एक्टिंग की सेकंड इनिंग में नीना को केवल फिल्में ही नहीं बल्कि वेब सीरीज में काफी पसंद किया जाता रहा है। हाल में नीना वेब सीरीज मसाबा मसाबा के सेकंड सीजन में राम कपूर के ऑपोजिट नजर आ रही हैं। एक न्यूज पोर्टल से बात करते हुए उन्होंने कहा, कुछ 2-3 प्रोजेक्ट्स हैं जिसमें मैंने अपने डायरेक्टर से पूछा कि मेरे ऑपोजिट कौन एक्टर है तो उनका कहना था कि मैं ही उन्हें सजेस्ट करूं। मेरे लिए यह बहुत मुश्किल काम है क्योंकि मेरे साथ कोई काम ही नहीं करना चाहता है। नीना ने कहा कि वह राम कपूर को शुक्रिया कहना चाहती हैं कि उन्होंने उनके ऑपोजिट यह जानते हुए भी काम किया कि वह नीना से उम्र में काफी छोटे हैं। नीना गुप्ता ने आगे कहा, कोई काम करने को तैयार नहीं है। ज्यादातर लोग यंग एक्ट्रेसेस के साथ काम करना चाहते हैं, भले ही मैं उनसे देखने में छोटी दिखती हूं।

उर्फी जावेद ने बताई कपड़े की बजाय तार लपेटने की वजह

उर्फी जावेद हमेशा अपने कपड़ों को लेकर ट्रोल होती रहती हैं। उर्फी जावेद कभी रोजर, कैंडी, कांच, ब्लेड और बोरी सभी से ड्रेस बनाकर पहन चुकी हैं। हाल ही में उर्फी जावेद ने अपना एक वीडियो साझा किया था, जिसमें उन्होंने अपने शरीर पर तार लपेट रखा था। इस वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने उर्फी की तुलना रणवीर सिंह से कर डाली थी। हालांकि उर्फी न्यूड नहीं थीं। उन्होंने स्किन कलर की ड्रेस पहनी थी और उसके ऊपर से तार लपेटा हुआ था। इसके अलावा उन्होंने अपने शरीर के अंगों को हाथ से ढक रखा था। उर्फी जावेद ने अपने लुक को हैवी ज्वैलरी और बालों में बन बनाकर पूरा किया था। इस वीडियो पर लोगों ने बहुत ही भद्दे कमेंट किए थे। उर्फी का वीडियो देखकर यूजर्स का दिमाग चकरा गया है। जिसके बाद उर्फी जावेद ने बताया है कि आखिर क्यों उन्होंने अपने शरीर पर तार लपेटा। उर्फी जावेद ने अपनी रील से संबंधित एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की और उसमें लंबा-चौड़ा पोस्ट लिखा है। उर्फी जावेद ने लिखा है- इस वीडियो के पीछे एक मतलब है, कैसे भारतीय महिलाओं को अपनी शादी में सुंदर दिखने के लिए चमकती हुई ज्वैलरी दी जाती है और उसे फूलों से सजाया जाता है। लेकिन असल में वह ठीक से चल भी नहीं सकती हैं और न ही अपने पंखों को फैला सकती हैं। हालांकि ये हमारी जनरेशन की महिलाओं के लिए नहीं है, बल्कि पुरानी जनरेशन की महिलाओं के लिए है।

बॉलीवुड | मसाला

उर्फी जावेद चाहे जितने अतरंगी कपड़े पहन लें, लेकिन सोशल मीडिया पर यूजर्स उनको बहुत पसंद करते हैं। अपने अतरंगी कपड़ों की वजह से उर्फी जावेद के सोशल मीडिया पर काफी फैन फॉलोइंग हो गए हैं। सिर्फ इतना ही नहीं कॉफी विद करण में करण जौहर के मेहमान बने रणवीर सिंह ने भी उर्फी जावेद को फैशन आइकन कह दिया था।

शाहरुख खान जादू भी खुद हैं और जादूगर भी : आलिया

एक वक्त पर शाहरुख खान का किसी फिल्म में होना, उस फिल्म की सक्सेस की गारंटी हुआ करता था लेकिन शाहरुख खान की पिछली कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हुई हैं। लोगों ने कहा कि शाहरुख खान का वक्त चला गया है और उनका स्टारडम खत्म हो चुका है। हालांकि किंग खान एक बार फिर पर्दे पर वापसी करने को तैयार हैं और इस बारे में आलिया भट्ट से जब बात की गई तो उन्होंने बेहतरीन जवाब दिया।

फिल्म डियर जिंदगी में शाहरुख खान के साथ काम कर चुकीं एक्ट्रेस आलिया से जब पूछा गया कि

सक्सेसफुल फिल्मों के बारे में वह शाहरुख खान को क्या एडवाइज देना चाहेंगी? तो आलिया ने कहा, उन्हें किसी एडवाइज की जरूरत नहीं है। वो अपने आप में एक जादू भी हैं और जादूगर भी। आलिया ने कहा मैं उन्हें कोई एडवाइज नहीं देना चाहूंगी। बल्कि मैं उनसे एडवाइज लेना चाहूंगी कि वो इतने मैजिकल कैसे हैं। साल 2016 में आई फिल्म डियर जिंदगी में शाहरुख खान ने एक मनोवैज्ञानिक का रोल प्ले किया था और आलिया ने फिल्म जगत में काम कर रही ऐसी लड़की का जो साइकोलॉजिकल प्रॉब्लम फेस कर रही है। बात करें आलिया भट्ट की तो उनके करियर का ग्राफ तेजी से ऊपर जा रहा है। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी फिल्म Gangubai Kathiawadi में उन्होंने लीड रोल प्ले किया था और अपने दम पर फिल्म को सुपरहिट करा ले गईं।

अजब-गजब | अनोखा त्योहार

यहां बंदरों के लिए सजता है बुफे

दुनिया में जितने धर्म और समुदाय हैं, उससे दुगनी उनकी मान्यताएं हैं। लोगों ने सालों से अपनी अनोखी परंपरा को बचाकर रखा है और आज तक उसका पालन करते आ रहे हैं। कई बार ये मान्यताएं धर्म से जुड़ी होती हैं तो कई बार किसी और कारण से मगर सालों से उनको मनाए जाने के कारण वो लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं। ऐसी ही मान्यता है थाइलैंड का मंकी बुफे फेस्टिवल की। आसान भाषा में समझाएं तो थाइलैंड में एक त्योहार होता है जिसमें बंदरों के लिए शादियों की तरह से बुफे लगता है।

बैंकॉक से करीब 150 कीलोमीटर दूर एक शहर है जिसका नाम है लोपबुरी। इस थाई शहर में हर साल एक त्योहार मनाया जाता है जिसे 'मंकी बुफे फेस्टिवल' कहते हैं। इस त्योहार की खासियत ये है कि इसमें किसी जलसे की तरह तैयारी होती है। बुफे में खाने का इंतजाम किया जाता है, सजावट होती है मगर ये सब कुछ इंसानों के लिए नहीं बंदरों के लिए होता है। त्योहार का इंतेजाम करने वाले लोग बंदरों के लिए ताजे फल, सलाद और थाई मिठाइयां उपलब्ध कराते हैं और बहुत बड़े जलसे की तरह इस त्योहार को मनाते हैं। ऐसे त्योहार को मनाने के पीछे क्या कारण है। लोगों का मानना है कि इस त्योहार की शुरुआत यहां के एक लोकल व्यापारी ने की थी।

उसका मानना था कि लोपबुरी में बंदरों की संख्या ज्यादा थी जिसके चलते यहां टूरिस्ट काफी आते थे और उन्हें खाना खिलाते थे। देखते-देखते टूरिस्टों की संख्या बढ़ती गई और व्यापारियों का बिजनेस भी बढ़ता गया। ऐसे में उसने बंदरों को पार्टी देना शुरू कर दिया जिससे ज्यादा से ज्यादा बंदर शहर में रहें। कोरोना काल में थाइलैंड का ये शहर बंदरों के कारण परेशान भी हो रहा है। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर से यहां पर्यटक घूमने आते थे जो बंदरों को खाने-पीने की चीजें दे देते थे जिससे उनका पेट पल जाता था मगर कोरोना महामारी के कारण लोगों का आना पहले बंद हुआ और अब काफी कम हो गया तो बंदरों ने आम नागरिकों का जीना हराम कर दिया है। बंदर अब लोगों की कार में घुस जा रहे हैं, दुकानों से सामान चुरा रहे हैं, खाने और अपने इलाके के लिए आपस में भिड़ रहे हैं और अक्सर लोगों के घरों के अंदर भी घुस जा रहे हैं। पिछले लंबे वक्त से यहां के बंदर इंसानों के साथ ही रहते हैं इसलिए अब उनके अंदर से इंसानों के लिए खौफ भी खत्म हो गया है। साल 2020 में कई बंदरों को स्टरलाइज किया गया था जिससे उनकी आबादी पर काबू पाया जा सके मगर ऐसे नहीं हो सका।

समंदर के बीचों बीच बसा है ये खंडहरनुमा छोटा सा देश, जहां रहते हैं केवल 27 लोग

हमारा देश दुनिया का सातवां सबसे बड़ा देश है। जहां जम्मू-कश्मीर से कन्याकुमारी तक अगर ट्रेन से यात्रा की जाए तो कई दिनों का सफर तय करने के बाद ही आप वहां पहुंचेंगे लेकिन आज हम आपको दुनिया के एक ऐसे देश के बारे में बताने जा रहे हैं जहां सिर्फ 27 लोग रहते हैं। समुद्र के बीचोंबीच बसे इस देश का आकार सिर्फ बास्केटबॉल कोर्ट के बराबर है। हम जिसक देश की बात कर रहे हैं उसे सीलैंड के नाम से जाना जाता है। आकार में छोटा होने की वजह से इसे सूक्ष्म राष्ट्र भी कहते हैं। यह देश इंग्लैंड के पास स्थित है। यह इंग्लैंड के तट से लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित है। दरअसल, इसे द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटेन द्वारा बसाया था। जो समुद्री किले का एक स्थल है लेकिन बाद में इसे खाली करा लिया गया। इस माइक्रो नेशन पर कई लोगों का कब्जा था। 9 अक्टूबर 2012 को रॉय बेट्स नाम के एक शख्स ने खुद को प्रिंस ऑफ सीलैंड घोषित किया। रॉय बेट्स का उत्तराधिकारी उनका बेटा माइकल है। हैरानी की बात ये है कि रॉय बेट्स ने सीलैंड के लिए डाक टिकट, पासपोर्ट और मुद्रा की भी घोषणा की थी। मुद्रा पर रॉय बेट्स की पत्नी जॉन बेट्स की तस्वीर है। देश का अपना झंडा भी है जो लाल, केसरिया और काले रंग का है। सीलैंड की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से दान पर निर्भर है लेकिन अब जैस-जैसे लोगों को इस देश के बारे में जानकारी मिल रही है, वैसे-वैसे लोग यहां पर्यटन के लिए भी आ रहे हैं। सीलैंड का क्षेत्रफल बहुत छोटा है, इसलिए जब लोगों को पहली बार इंटरनेट के माध्यम से इसके बारे में पता चला, तो उन्होंने बहुत दान दिया। यहां रहने वाले लोगों को भारी आर्थिक मदद मिली। बता दें कि सीलैंड का सतही क्षेत्रफल मात्र 6000 वर्ग फुट है। यह देश इतना छोटा है कि गूगल मैप्स पर भी इसे नहीं सर्च किया जा सकता। साल 2011 के आंकड़ों के मुताबिक, सीलैंड की आबादी सिर्फ 27 है। सीलैंड को अभी तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता नहीं मिली है। इस वजह से इसे अभी भी आधिकारिक रूप से दुनिया का सबसे छोटा देश होने का दर्जा नहीं मिला है।

सपा के साथ रहेगा अपना दल कमेरावादी मिलकर लड़ सकते हैं लोक सभा चुनाव

» अखिलेश से कृष्णा पटेल ने की मुलाकात, एक घंटे चली वार्ता

» जनवादी पार्टी पहले ही कर चुकी है सपा के साथ रहने का ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) के लगातार हमले झेल रही समाजवादी पार्टी को बुधवार को अपना दल कमेरावादी से राहत मिली। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से अपना दल कमेरावादी की अध्यक्ष कृष्णा पटेल ने उनके कार्यालय में मुलाकात की। दोनों के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। माना जा रहा है कि सपा व अपना दल कमेरावादी वर्ष 2024 का लोक सभा चुनाव साथ मिलकर लड़ने पर भी चर्चा हुई।

विधान सभा चुनाव 2022 समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर लड़ने वाली अपना दल कमेरावादी ने पिछले दिनों राष्ट्रपति चुनाव में भी सपा का साथ देते हुए विपक्ष के उम्मीदवार को वोट दिया था। वहीं, ओम प्रकाश राजभर ने एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मु को वोट दिया था। इसी के बाद से सपा व सुभासपा गठबंधन में दरार पड़ गई। इसके बाद सुभासपा और सपा का गठबंधन टूट गया लेकिन अपना दल ने सपा का साथ नहीं छोड़ा। बुधवार को अखिलेश यादव से हुई मुलाकात के बाद लोक सभा चुनाव साथ लड़ने की प्रबल संभावना व्यक्त की जा रही है। अब जनवादी पार्टी भी अखिलेश के नजदीक आ रही है। पिछले दिनों जनवादी पार्टी सोशलिस्ट के अध्यक्ष संजय चौहान ने भी कहा था कि हम अखिलेश यादव के साथ हैं और रहेंगे।

सदस्यता अभियान के प्रभारी नियुक्त

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के निर्देश पर पार्टी की सदस्यता अभियान के प्रभारियों की नियुक्ति की गई। उज्जवल रमण सिंह पूर्व मंत्री, आशुतोष सिन्हा एमएलसी को प्रयागराज महानगर तथा लालजी वर्मा विधायक, राकेश पांडेय विधायक, त्रिभुवन दत्त विधायक, अतहर खान पूर्व एमएलसी को अम्बेडकरनगर का समाजवादी पार्टी की सदस्यता अभियान का प्रभारी नियुक्त किया गया है। आलोक तिवारी पूर्व सांसद, संतोष यादव सनी पूर्व एमएलसी एवं सुनील सिंह को संतकबीरनगर का प्रभारी नामित किया गया है। जलालुद्दीन सिद्दकी को गाजियाबाद में सदस्यता अभियान में गति देने में सहयोग करने के लिए नामित किया गया है।

बिजली कटौती को लेकर पूर्व पार्षद मिले जेई से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झांसी। बिजली कटौती को लेकर झांसी के कांग्रेस पार्टी के स्थानीय नेता और पूर्व पार्षद अखलाक मकरानी ने वार्ड नम्बर 39 के क्षेत्रीय लोगों के साथ बिजली विभाग के जेई से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। क्षेत्रीय लोगों ने मांग की है कि बिजली समय के अनुसार उपलब्ध कराई जाए जिससे बच्चों की पढाई के साथ रोजमर्रा के कामों में किसी प्रकार की परेशानी उत्पन्न न हो सके।

पूर्व पार्षद अखलाक मकरानी ने बताया कि पुराने तार होने के कारण वह बार-बार तार का टूट जाता है। यह बहुत ही खतरनाक है। कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। ट्रांसफार्मर पर ज्यादा लोड होने के कारण बिजली के तार टूटते रहते हैं। बिल रीडर बिल गलत दे रहे हैं।

अमृत सरोवर तैयार, देखभाल को तैनात करें मनरेगा मजदूर : केशव

» 15 अगस्त को हर सरोवर पर होगा झंडारोहण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि बनाए जा रहे अमृत सरोवर अच्छे बने और हमेशा अच्छे बने रहें। इसके लिए जरूरी है कि सरोवरों की देखभाल के लिए मनरेगा से हर तीन माह पर एक मजदूर को लगाया जाए। 15 अगस्त को जिन 7500 अमृत सरोवरों पर झंडारोहण होना है, वहां सभी व्यवस्थाएं पूरी कर लें। बताया गया कि प्रदेश में 4000 अमृत सरोवर तैयार हो गए हैं।

उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य ने विधान भवन स्थित कार्यालय में ग्राम्य विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि अमृत सरोवरों व अन्य ग्राम्य विकास की योजनाओं के बोर्ड आकर्षक व मजबूत होने चाहिए। ऐसा डिजाइन होना चाहिए कि पांच पीढ़ियों तक वह बोर्ड वहां मौजूद रहे। जनसमस्याओं के निराकरण के लिए विकास खंडों में ब्लाक दिवस आयोजन करने के बारे में दिशा निर्देश जारी किए जाएं। उन्हें बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में पात्रता के चयन की जांच में काफी मात्रा में ऐसे प्रकरण आए हैं, जहां पात्र को अपात्र बनाया गया और अपात्र को पात्र बनाया गया है, इन प्रकरणों पर सभी संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है।

प्रशिक्षण शिविर

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन सड़क किनारे पड़े पीड़ितों के पहले उत्तरदाता पुलिसकर्मियों के लिए बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण शिविर चला रहा है। एसोसिएशन ने बताया कि यह जीवन बचाने की एक बेहतर पहल है जिसमें लखनऊ ऑर्थोपेडिक सोसाइटी के सदस्यों और एलओएस के अध्यक्ष समन्वय कर रहे हैं। इसे और सफल बनाने के लिए छात्रों, ड्राइवरों और अन्य लोगों को इसका प्रशिक्षण दिया जाएगा। किकस्टार्ट का यह कार्यक्रम अलग-अलग स्थानों पर पूरे सप्ताह चलेगा।

विश्व हिंदू परिषद के सह जिलामंत्री को पुलिसकर्मियों ने थाने में पीटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» गंभीर हालत में लखनऊ रेफर मारपीट के विवाद में पैरवी करने गए थे विहिप नेता

हरदोई। कोतवाली शाहाबाद इलाके की पुलिस पर पचदेवरा थाने के अनंगपुर गांव निवासी विश्व हिंदू परिषद के सह जिलामंत्री अमन सिंह चौहान की पिटाई का आरोप लगा है। पुलिसकर्मियों ने विहिप के सह जिला मंत्री को इतना पीटा कि उन्हें पहले मेडिकल कॉलेज फिर हालत बिगड़ने पर लखनऊ रेफर किया गया है।

विहिप जिलाध्यक्ष डॉ. आशीष माहेश्वरी के मुताबिक, बुधवार देर रात कस्बा शाहाबाद के नेकोजई में राजा और आशू नाम के दो अलग समुदाय के युवकों के बीच बाइक को लेकर कहासुनी हुई थी। इस मामले में सह जिलामंत्री अमन सिंह चौहान राजा की ओर से पैरवी करने के लिए कोतवाली शाहाबाद गए थे। जहां इंस्पेक्टर और पुलिसकर्मियों की ओर से दूसरे समुदाय के आशू पुत्र असलम का पक्ष लिया जा रहा था। इसका विरोध करने पर इंस्पेक्टर और पुलिसकर्मियों ने थाने में ही अमन सिंह चौहान की जमकर पिटाई कर दी। वहीं अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह ने कहा कि आरोपों की जांच की जाएगी और जांच में दोषी पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

महंगाई से ध्यान हटाने को उठाया 'मुफ्त रेवड़ी' का मुद्दा!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जो सरकार अस्सी करोड़ लोगों को फ्री राशन देने का दावा करती हो वह क्या मुफ्त की रेवड़ियों को रोकने का नैतिक साहस रखती है? सवाल यह है कि मुफ्तखोरी की बात उठाकर कहीं महंगाई के मुद्दे को दरकिनार करने की कोशिश तो नहीं की जा रही है? हैरानी की बात है कि सरकार संसद में कह रही है कि महंगाई है ही नहीं। इन्हीं मुद्दों पर वरिष्ठ पत्रकार अजय शुक्ला, सैयद कासिम, दिनेश के वोहरा, प्रो. रविकांत और अभिषेक कुमार ने परिचर्चा की।

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

वरिष्ठ पत्रकार दिनेश के वोहरा ने कहा कि फ्री अनाज से ज्यादा महत्वपूर्ण है फूड सिक्योरिटी एक्ट। उसे इसलिए लाया गया था क्योंकि भारत के अंदर अभी भी बहुत बड़ा वर्ग ऐसा है जिसे दो वक्त की रोटी नहीं मिलती है। जब ये एक्ट बनाया गया तब भारत के पास संसाधन नहीं थे। वरिष्ठ पत्रकार अजय शुक्ला ने कहा कि इस देश की जनता तो सबसे बड़ी जिम्मेदार है। वह अगर समझदार होती तो भाजपा सत्ता में नहीं होती। मोदी हमारे प्रतिनिधि है वो हमारे मालिक नहीं है। प्रो. रविकांत ने कहा कि आम जनता पांच साल के बाद आती है जब चुनाव होता है उस समय जनता भगवान हो जाती है बाकि पांच साल तक जनता की कोई सुधबुध नहीं। पूरे मीडिया और सोशल मीडिया पर मोदी पुराण बाचा जा रहा है। महंगाई नहीं है ये संसद से कहा जा रहा है। वरिष्ठ पत्रकार सैयद कासिम ने कहा कि संसद में कहा जा रहा है कि हम 80 करोड़ भूखों को खाना देते है। आखिर हम दुनिया में क्या मिसाल पेश कर रहे है। यही न कि 80 करोड़ लोग हमारे देश में भूखे है। अब हमारे देश की जनसंख्य गिनी नहीं जाएगी अब ये नहीं बताया जाएगा कि देश में कितने लोग पढ़े-लिखे है, कितने अनपढ़ है, कितने नौकरी कर रहे हैं। कितने नौकरी नहीं कर रहे हैं।

बाराबंकी : डीएम और सीडीओ के उत्पीड़न से तंग बीडीओ ने दिया इस्तीफा, नौकरशाही में हड़कंप

- बाराबंकी के रामनगर ब्लाक के बीडीओ ने अधिकारियों पर लगाए गंभीर आरोप
- अपर मुख्य सचिव ने आयुक्त ग्राम्य विकास को सौंपी जांच, मांगी रिपोर्ट
- पीडीएस संघ भी लामबंद, डीएम आदर्श सिंह ने इस्तीफे की सूचना मिलने से किया इंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में तीन आईएएस अधिकारियों के बाद अब एक खंड विकास अधिकारी के इस्तीफे ने एक बार फिर शासन सत्ता पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। बाराबंकी में रामनगर ब्लाक के बीडीओ अमित त्रिपाठी ने डीएम और सीडीओ पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए इस्तीफा दे दिया है। इससे नौकरशाही में हड़कंप मच गया है। अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने आयुक्त ग्राम्य विकास को जांच के आदेश दिए हैं।

बीडीओ अमित त्रिपाठी ने अपना इस्तीफा आयुक्त ग्राम्य विकास को भेजा है। देर रात वायरल हुए इस्तीफे में पीड़ित बीडीओ ने जिलाधिकारी डॉ. आदर्श सिंह और सीडीओ एकता सिंह पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है जिसके बाद पीडीएस संघ भी लामबंद हो गया है। इसको लेकर जिलाधिकारी ने एक डेढ़ घंटे तक बीडीओ से बात की और समझाने की कोशिश भी की। सोशल मीडिया पर वायरल हुए पत्र में बीडीओ अमित त्रिपाठी ने सीधे जिलाधिकारी डॉ. आदर्श सिंह और सीडीओ एकता सिंह पर आरोप लगाते हुए कहा है कि पिछले एक महीने से इन दोनों अधिकारियों द्वारा उन्हें मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है। वहीं डीएम डॉ. आदर्श सिंह ने कहा उन्हें ऐसा कोई पत्र नहीं मिला है। बीडीओ के त्यागपत्र को लेकर अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने आयुक्त ग्राम्य विकास को पूरे मामले की जांच करने के आदेश दिए हैं। अपर मुख्य सचिव ने ग्राम्य विकास आयुक्त को जांच के लिए दिए गए निर्देश में कहा है कि खंड विकास अधिकारी रामनगर अमित त्रिपाठी ने अपने पत्र में मुख्य विकास अधिकारी व जिलाधिकारी द्वारा मानसिक रूप से अत्यधिक प्रताड़ित करने व अपमानित करने से परेशान एवं मजबूर होकर त्याग पत्र दे दिया है। पत्र में अंकित तथ्यों की जांच कराकर स्पष्ट संस्तुति सहित आख्या शासन को तत्काल उपलब्ध कराएं।

आवास पर बुलाकर धमकाया था डीएम ने

इस्तीफे में जो मुख्य वजह बताई गई है उसमें बीडीओ ने बताया है कि डीएम द्वारा उसका तबादला पूरे डलई करने के बाद सांसद उपेंद्र सिंह रावत के अनुरोध पर तबादला निरस्त कर दिया था जबकि उन्होंने कोई सिफारिश नहीं कराई थी। बीडीओ का आरोप है कि डीएम आवास पर उसे बुलाकर डांटा गया और भविष्य में अंजाम भुगतने की धमकी तक दी गई। इतना ही नहीं पीड़ित ने 31 जून के निरीक्षण के दौरान उसे बुखार में मौके पर बुलाना और डीएम द्वारा फटकारने का भी आरोप लगाया है। अमित ने डीएम पर एसीआर खराब करने की बात भी पत्र में कही है। इन्हीं सब कारणों की वजहों को पीड़ित बीडीओ ने अपने पद से इस्तीफा देने का कारण बताया है।

सपा नेता आजम खां की तबीयत बिगड़ी मेदांता में भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्य तथा वरिष्ठ नेता आजम खां की तबीयत खराब हो गई है। रामपुर सदर से दसवीं बार विधायक आजम खां को लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मेदांता अस्पताल में क्रिटिकल केयर विभाग की टीम उनके स्वास्थ्य की जांच में लगी है।

लखनऊ प्रवास के दौरान बुधवार रात से आजम खां की तबीयत कुछ खराब होने लगी थी। दिन में असहज महसूस करने के बाद उनका डाक्टर्स ने चेकअप किया। इसके बाद उनको किसी अस्पताल में भर्ती करने की सलाह दी। आजम खां को मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आजम खां को निमोनिया और सांस लेने में तकलीफ के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां मेदांता की क्रिटिकल केयर टीम आजम खां के इलाज में लगी है।

लखनऊ : पीडब्ल्यूडी मुख्यालय के कमरे में मिला क्लर्क का शव, सनसनी

- पत्नी ने जताई हत्या की आशंका, पुलिस को मौके पर मिलीं शराब की बोतलें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हजरतगंज इलाके में पीडब्ल्यूडी मुख्यालय में तैनात क्लर्क का शव संदिग्ध हालत में मिलने से सनसनी फैल गई। घटना के समय उसके साथ दो कर्मचारियों के मौजूद होने की बात भी सामने आ रही है। जिस कमरे में विपिन सिंह का शव मिला है, उसमें शराब की बोतलें भी मिली हैं। मृतक की पत्नी ने हत्या की आशंका जताई है। मुख्यालय पर सुरक्षा गार्ड भी तैनात हैं लेकिन किसी को भी विपिन सिंह की मौत की भनक तक नहीं लग सकी।

पीडब्ल्यूडी मुख्यालय में तैनात क्लर्क विपिन सिंह बुधवार को कार्यालय आए थे। विपिन सिंह ने मुख्यालय में ही तैनात दो अन्य लोगों के साथ कार्यालय के कमरे में ही शराब पी थी। पुलिस को मौके पर शराब की बोतलें मिली हैं। जब देर रात तक वह घर नहीं लौटे तो पत्नी और अन्य लोगों ने खोजबीन प्रारंभ की। हजरतगंज इंस्पेक्टर अखिलेश मिश्र के मुताबिक क्लर्क विपिन सिंह का बुधवार की देर रात शव मिला। घटना की जानकारी पत्नी सपना को दी गई थी। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। सपना ने बताया देर रात तक विपिन के घर न आने पर फोन किया। बात नहीं होने पर उनके साथियों को फोन किया, तब घटना की जानकारी हुई। पत्नी ने आरोप लगाया है कि विपिन के साथ कल रात में इंचार्ज क्लर्क आकाश और मुकेश थे। इन लोगों ने हमको किसी भी प्रकार की कोई जानकारी नहीं दी।

मुख्य सचिव, डीजीपी समेत पांच को भारतीय प्रेस परिषद ने भेजा नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

- पत्रकार ज्ञानेंद्र तिवारी के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर उठाए सवाल, मांगा जवाब

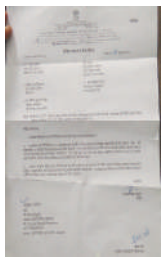

सुल्तानपुर। प्रेस की स्वतंत्रता पर अतिक्रमण मामले को लेकर भारतीय प्रेस परिषद ने टिप्पणी करते हुए यूपी के मुख्य सचिव, डीजीपी समेत पांच को नोटिस जारी करते हुए दो सप्ताह के भीतर लिखित जवाब प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। इससे शासन से लेकर पुलिस महकमे तक में हड़कंप मच गया है ।

सुल्तानपुर के एक हिंदी दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार ज्ञानेंद्र तिवारी के खबर लिखने से खार खाए तत्कालीन थानाध्यक्ष गोसाईगंज इंस्पेक्टर मनबोध तिवारी ने गोसाईगंज थाने पर 23 सितंबर 2021 को लिखित तहरीर देते हुए कहा था कि पत्रकार ज्ञानेंद्र तिवारी द्वारा सोशल मीडिया व अन्य प्लेटफार्म पर शुभम शर्मा को आधार बनाते हुए असत्य व भ्रामक सूचना लगातार प्रसारित करते हुए पुलिस विभाग की छवि धूमिल की जा रही है जोकि लोकरिष्टि कारक अवांछनीय कृत्य है। जिसके बाद इंस्पेक्टर मनबोध तिवारी की तहरीर पर पत्रकार ज्ञानेंद्र तिवारी के खिलाफ धारा 505 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई। शुभम शर्मा के नाम से दर्ज की गई फेक एफआईआर पर सुप्रीम कोर्ट ने मोहर लगाते हुए पिछले महीने दर्ज एफआईआर को निरस्त कर दिया था । यह सुल्तानपुर पुलिस के लिए बड़ा झटका रहा। वहीं अब दूसरी तरफ शुभम शर्मा को आधार बनाकर पत्रकार ज्ञानेंद्र पर दर्ज एफआईआर पर भारतीय प्रेस परिषद की अध्यक्ष ने सख्त रूख अपनाते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव, सचिव गृह विभाग , पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश , तत्कालीन थानाध्यक्ष गोसाईगंज मनबोध तिवारी व तत्कालीन पुलिस अधीक्षक विपिन कुमार मिश्रा के खिलाफ नोटिस जारी करते हुए दो सप्ताह के भीतर अपना लिखित जवाब देने का आदेश दिया है। भारतीय प्रेस परिषद के सचिव द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि प्रारंभिक रूप में शिकायत पर विचारोपरांत प्रकरण प्रेस की स्वतंत्रता पर अतिक्रमण व कुठाराघात का प्रतीत होता है व प्रेस परिषद अधिनियम 1978 की धारा 13 (1) के साथ पठित अधिनियम की धारा 15 (4) के अंतर्गत इस मामले में आपके विरुद्ध परिषद द्वारा कार्यवाही क्यों नहीं की जाए?

फोटो : 4पीएम

निरीक्षण राजधानी लखनऊ के लोहिया अस्पताल का आज उत्तर प्रदेश महिला आयोग की अध्यक्ष विमला बाथम ने निरीक्षण किया और मरीजों से बातचीत की।

न्यायाधीश यूयू ललित होंगे अगले चीफ जस्टिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जस्टिस यूयू ललित देश के अगले मुख्य न्यायाधीश होंगे। मौजूदा सीजेआई जस्टिस एनवी रमन ने केंद्र सरकार को जस्टिस ललित के नाम की सिफारिश भेजी है। परम्परा के मुताबिक रिटायर होने वाले सीजेआई नए सीजेआई के नाम की सिफारिश करते हैं। 26 अगस्त को सीजेआई रमन रिटायर हो रहे हैं।

जस्टिस यूयू ललित 'तीन तलाक' की प्रथा को अवैध ठहराने समेत कई ऐतिहासिक फैसलों का हिस्सा रहे हैं। वह ऐसे दूसरे प्रधान न्यायाधीश होंगे, जिन्हें बार से सीधे शीर्ष अदालत की पीठ में पदोन्नत किया गया। उनसे पहले जस्टिस एसएम सीकरी मार्च 1964 में शीर्ष अदालत की पीठ में सीधे पदोन्नत होने वाले पहले वकील थे। वह 1971 में 13वें सीजेआई बने थे। जस्टिस ललित मौजूदा प्रधान न्यायाधीश एनवी रमन के सेवानिवृत्त होने के एक दिन बाद 27 अगस्त को भारत के 49वें सीजेआई बनने के लिए कतार में हैं। जस्टिस ललित को 2014 को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।